दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 179/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, रविवार 26 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस परेड में दिखी भारत की सैन्य शक्ति

देश भर में गणतंत्र दिवस की धूम, राष्ट्रपति मुर्मू ने कर्तव्य पथ पर तिरंगा फहराया

नई दिल्ली। 76वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्तव्य पथ पर तिरंगा फहराया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई अन्य केंद्रीय मंत्री, देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी, विदेशी राजनयिक और वरिष्ठ अधिकारी भी गणतंत्र दिवस समारोह के साक्षी बने। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास है।

परेड की शुरुआत कल्चर मिनिस्ट्री के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। 300 आर्टिस्ट ने वाद्य यंत्र बजाते हुए परेड निकाली। फिर इंडोनेशिया के सैन्य जवानों का दस्ता परेड करते हुए कर्तव्य पथ पर गुजरा। भारतीय सेना के जवानों ने भीष्म टैंक, पिनाका मल्टी लॉन्चर रॉकेट सिस्टम के साथ मार्च किया।

एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट में 40 विमानों ने हिस्सा लिया। जिसमें 22 फाइटर जेट, 11 ट्रांसपोर्ट एयरक्रॉफ्ट और 7 हेलिकॉप्टर शामिल हुए। अपाचे, राफेल और ग्लोब मास्टर इस फ्लाई पास्ट का हिस्सा रहे। परेड में 15 राज्यों और 16 मंत्रालयों की झांकियां नजर आईं। पहली बार कर्तव्य पथ पर एक साथ 5 हजार कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

गणतंत्र दिवस परेड में स्वदेशी अर्जुन युद्धक टैंक, तेजस लड़ाकू विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर्स ने जमीन, पानी और हवा में समन्वित ऑपरेशन का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद सेना के यांत्रिक विभाग के मार्चिंग दस्ते ने मार्च किया। सेना के टी-90 भीष्म टैंक, नाग मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका मल्टी रॉकेट

लॉन्चर, आकाश मिसाइल प्रणाली और आधुनिक सैन्य वाहनों का प्रदर्शन किया गया। लाइट स्पेशलिस्ट वाहन बजरंग, वाहन माउंटेड इन्फेंट्री मोर्टार सिस्टम एरावत, त्वरित प्रतिक्रिया वाहन नंदीघोष ने भी गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया।

वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने किया फ्लाइपास्ट

भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में चार अधिकारी और 144 जवान शामिल हुए। वायुसेना की टुकड़ी का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर महेंद्र सिंह गराती ने किया। इसके बाद वायुसेना के लड़ाकू विमान मिग-29 ने फ्लाइपास्ट किया और %बाज फॉर्मेशन का प्रदर्शन किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपनी झांकी में देश में विकसित कई स्वदेशी सैन्य प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया। डीआरडीओ की झांकी में हवा में मार करने वाली मिसाइल, प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली, आर्टिलरी गन प्रणाली और ड्रोन का पता लगाने, रोकने और नष्ट करने वाली प्रणाली का प्रदर्शन शामिल था।

सामाजिक न्याय मंत्रालय की झांकी के जरिए मनाया गया संविधान का जश्न

गणतंत्र दिवस परेड में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की झांकी में भारत के संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ इसे देश की विरासत, विकास और भविष्य के लिए मार्गदर्शन की आधारशिला के रूप में चित्रित किया गया। झांकी में

न्याय, समानता और स्वतंत्रता के सार को दर्शाया गया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे संविधान भारत को एक एकजुट, प्रगतिशील और समावेशी समाज के रूप में आकार दे रहा है।

झांकी का केंद्रबिंदु संविधान की प्रतिकृति थी, जिसकी प्रस्तावना हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रमुखता से प्रदर्शित थी। इस झांकी में संविधान को अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे होने की झलक भी दिखी। 'वी द पीपुल' रूपी शिलालेख के माध्यम से देश की पहचान को परिभाषित करने और एक सूत्र में पिरोने में संविधान की भूमिका को रेखांकित किया गया।

पीएम मोदी ने बांधा लाल-पीले रंग का साफा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 76वें गणतंत्र दिवस पर खास अंदाज में नजर आए। उन्होंने सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ गहरे भूरे रंग का बंद गले का कोट और लाल-पीले रंग का साफा पहना। इसके साथ ही उन्होंने विशेष अवसरों पर चमकीला और रंग-बिरंगा साफा पहनने की अपनी परंपरा को जारी रखा।

भोपाल। लाल परेड मैदान पर गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पुलिस अधिकारी की यूनिफार्म पहने ये बच्ची आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी।

शुभकामनाएं

दैनिक सांध्यप्रकाश के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। -संपादक

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दैनिक सांध्यप्रकाश में 27 जनवरी 2025 सोमवार को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2025 को प्रकाशित होगा। -प्रबंधक

भोपाल में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने फहराया तिरंगा, मुख्यमंत्री ने इंदौर में ली परेड की सलामी

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। भोपाल में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने तिरंगा फहराकर संयुक्त परेड की सलामी ली। इस मौके पर परेड मैदान में शासन के विभागों की झांकियां निकाली गईं और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इंदौर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ध्वजारोहण किया। समारोह में परेड के साथ विभिन्न विभागों द्वारा राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों पर आधारित झांकियां निकाली गई।

ग्वालियर में 14वीं वाहिनी में पदस्थ आरक्षक सुनील यादव ने अपने दांत से एक साथ

8 कार को खींचा। उन्होंने एसएएफ मैदान के दौड़ पथ पर इन गाड़ियों को खींचकर सभी को हैरान कर दिया। दतिया के पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस जिप्सी स्टार्ट नहीं होने पर प्रभारी मंत्री एदल सिंह कंसाना ने कलेक्टर और एसपी के साथ पैदल ही परेड का निरीक्षण किया। अशोकनगर में परेड में शामिल हुई दो बच्चियों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। एक बच्ची को अस्पताल भेज दिया है। दूसरी बच्ची कलेक्टर के परिचय के बाद चक्कर खाकर गिर गई।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मुरैना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा देवास में हैं। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने 76वें गणतंत्र दिवस समारोह, रुस्त्र ग्राउंड रीवा में परेड की सलामी ली।

कला केंद्र ने मध्य स्वामी मलई मंदिर में संत त्यागराज आराधना का आयोजन किया

भोपाल। कला केंद्र ने 25 जनवरी, 2025 को तमिल संगम और नव शक्ति पीठ के सहयोग से भोपाल के मध्य स्वामी मलाई मंदिर में संत त्यागराज की जयंती मनाई। कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में से एक माने जाने वाले संत त्यागराज (1767-1847) को मुख्य रूप से तेलुगु और संस्कृत में भगवान राम को समर्पित उनकी 720 रचनाओं के लिए जाना जाता है। इस आयोजन में पंच रत्न कृतियों का सामूहिक गायन हुआ, जो विभिन्न रागों में रचित पांच अनमोल रचनाएँ हैं। डॉ. शांता अय्यर, श्रीमती रश्मि और श्रीमती शोभा सहित अन्य प्रतिष्ठित संगीतकारों ने अपने प्रदर्शन से इस अवसर को सुशोभित किया। बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कला केंद्र के सचिव श्री के. शंकर ने कार्यक्रम का संचालन किया और श्रीमती उमा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

गणतंत्र दिवस पर दुर्गा चौक चौराहा टीला रामपुरा में सांसद ने किया ध्वजारोहण

भोपाल। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के महान अवसर पर दुर्गा चौक चौराहा टीला रामपुरा हनुमान मंदिर पर भाजपा के पूर्व पार्षद पूर्व जिला प्रवक्ता घनश्याम कुशवाहा के नेतृत्व में झंडा वंदन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल सांसद आलोक शर्मा उपस्थित हुए। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद शैलेश साहू, राजकुमार साहू, बलराम यादव, चरण सिंह चौहान ,अजय पारे, मनोहर आर्य बंसी मंगवानी, राजेश सिंह, दीपक शर्मा, ओम साहू, राजू जाटव, अपूर्व देसाई ,अनु यादव ,अनु सेन अविनाश टप्पी शर्मा, मनोज सोनी ,सूर्यकांत चतुर्वेदी, कमल रजक, विनोद बैरागी, सूर्यकांत शुक्ला,हरीश रैकवार, राहुल कुशवाहा ,प्रकाश कुशवाहा ,बाबू, सनी यादव, विशाल प्रजापति ,सचिन प्रजापति, शुभम जैन ,विनीत मालवीय डब्बू सिंह ,राजू परिहार, राजकुमार मरण, नितेश साहू ,रिंकू सक्सेना, एवं समस्त साथी कार्यकर्ता एवं समस्त क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए।

खाद्य विभाग के 70 अधिकारियों ने आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण में लिया हिस्सा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में खाद्य विभाग के 70 अधिकारियों ने तीन दिवसीय आवासीय आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों के मानसिक तनाव को कम करना और उन्हें तनाव मुक्त कार्य वातावरण प्रदान करना था। समापन सत्र में राज्य आनंद संस्थान के सीईओ आशीष कुमार ने कहा कि जनता के बीच काम करने वाले अधिकारियों का मानसिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों में सकारात्मक बदलाव लाने का उद्देश्यः आशीष कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण से अधिकारियों और कर्मचारियों में आपसी समझ बढ़ेगी और अंतर्विरोध कम होंगे। इससे न केवल उनके खुद के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा, बल्कि समाज में भी बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण अधिकारियों को बेहतर व्यवहार और समर्पण के साथ अपने कार्यों को अंजाम देने में मदद करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ावा देंगे खाद्य विभाग के अधिकारी

संयुक्त संचालक खाद्य श्रीमती सुकृति सिंह ने कहा कि प्रदेश के खाद्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह कम से कम दो प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो परस्पर मेलजोल और चेतना को जागृत करने पर केंद्रित होंगे।

प्रशिक्षण को लेकर अधिकारियों के सकारात्मक विचार

प्रशिक्षण में शामिल छतरपुर के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जितेंद्र वर्मा ने इसे न केवल एक प्रशिक्षण बल्कि एक ट्रीटमेंट बताया। उन्होंने कहा, यह प्रशिक्षण आपको न केवल ठीक करता है, बल्कि आपको खुद को समझने और दूसरों पर इसके असर को जानने का मौका भी देता है। खाद्य अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद लुहार ने कहा, मेरे अंदर की उथल-पुथल कम हुई है। वहीं, सुश्री मधुलिका ने इस प्रशिक्षण को जीवन बदलने वाला बताया और कहा कि अगर वह इसमें भाग नहीं लेतीं, तो बहुत कुछ खो देतीं।

प्रशिक्षण के प्रभाव पर अधिकारियों की रायः एक अन्य अधिकारी, मयूर वाहने ने इस प्रशिक्षण को आचरण की उपलब्धि करार दिया। वहीं, अमर लाल वर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें अपनी अंदर की बुराइयों को पहचानने का अवसर मिला और अब वह एक नए जीवन की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। अगला प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 से 31 जनवरी तक इसी प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित किया जाएगा।

फेडरेशन की प्रबंध समिति बैठक में रूस और ओमान के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश से द्विपक्षीय व्यापार पर की चर्चा

भोपाल। फेडरेशन कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित फेडरेशन की प्रबंध समिति बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने की। इस बैठक में रूस और ओमान के व्यापार प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा की।

चलो मोबिलिटी का बीसीएलएल के साथ सहयोग, समस्याएं, समाधान और भविष्य की दिशा

भोपाल। चलो मोबिलिटी भारत की अग्रणी पब्लिक ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी है। चलो मोबिलिटी ने बेस्ट के साथ साझेदारी में उनकी बस यात्रा ऐप और प्रीपेड ट्रैवल कार्ड को लॉन्च किया। चालो ने लाइव बस ट्रैकिंग, लाइव पैसेंजर इंडिकेटर, मोबाइल टिकट और पास जैसी सुविधाएं प्रदान की, जिससे यात्रियों का अनुभव बेहतर हुआ और भीड़-भाड़ वाली बस स्टॉप पर दबाव कम हुआ। इसके अलावा, चालो ने डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से 80 नए सुपर सेवर प्लान्स भी बनाए, जो यात्रियों को उनकी यात्रा की आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त विकल्प प्रदान करते हैं। वर्तमान में, मुंबई का बेस्ट प्रोजेक्ट दुनियाभर के लिए एक उदाहरण बन चुका है, और इसे भारत के कई पब्लिक ट्रांसपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन अपनाना चाहते है। आज चलो 60 से अधिक शहरों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के नौ माह के वित्तीय नतीजों की घोषणा की

मुंबई/जयपुर। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है। फेस्टिव सीजन में कुछ तेजी देखने के बाद तीसरी तिमाही के उत्तरार्ध में आर्थिक गति धीमी हो गई। कुल मिलाकर माहौल वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। तिमाही के अधिकांश भाग में लिक्विडिटी की कमी बनी रही, जिससे ब्याज दरों और जमा वृद्धि (डिपॉजिट ग्रोथ) पर लगातार दबाव बना रहा। इसके अलावा, अनसिक्योर्ड एडवांस (विशेष रूप से एमएफआई) सुधार के फेज (करेक्टिव) में हैं।

इनोवेशन-ड्रिवेन इनिशिएटिव्स ने साझेदारी की

नई दिल्ली। इनोवेशन-ड्रिवेन इनिशिएटिव्स में अग्रणी नाम रिति स्पोर्ट्स ने भारत के लॉटरी उद्योग को फिर से परिभाषित करने के लिए 2023 में सूचीबद्ध तेजी से बढ़ती फिनटेक कंपनी एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड एक तेज़ी से बढ़ती फिनटेक कंपनी है, जिसे 2023 में सूचीबद्ध किया गया था। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत के लॉटरी उद्योग को पुनर्परिभाषित करना है। यह सहयोग उन राज्यों में, जहां ऑनलाइन लॉटरी संचालन की अनुमति है, पारदर्शिता, डिजिटल परिवर्तन और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के 1.92 लाख एजेंट नेटवर्क का उपयोग करेगा।

कांग्रेस ने कभी बाबा साहेब अंबेडकर को बढ़ने नहीं दिया : सांसद आलोक शर्मा

संविधान गौरव दिवस पर डॉ अंबेडकर प्रतिमा स्थापना के लिए की 10 लाख की घोषणा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संविधान गौरव दिवस पर उत्तर विधानसभा के वाजपई नगर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर को कांग्रेस ने कभी भी आगे नहीं बढ़ने दिया। कांग्रेस नेताओं ने 1952 में मुंबई में उन्हें चुनाव हराने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। यहां तक की तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू उनके खिलाफ प्रचार के लिए दो बार मुंबई भी गए। इस चुनाव में नतीजा यह रहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर जी 15000 वोटो से चुनाव हार गए। इस चुनाव में कांग्रेसियों ने धांधली की और भीमराव अंबेडकर के पक्ष में जो वोट मिले थे उनमें से 78000 वोट कैंसिल करा दिए। बाबा साहब ने इलेक्शन कमीशन से इसकी शिकायत भी की थी लेकिन तत्कालीन सरकार ने कुछ नहीं किया। इसी तरह 1957 में महाराष्ट्र के भंडारा के उप चुनाव में भी उन्हें हराने का काम कांग्रेस ने किया। कांग्रेस की यह सच्चाई जनता के सामने आना चाहिए। सांसद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता संविधान को हाथ में लेकर चलते हैं, संविधान ग्रंथ का अपमान करते हैं। हाथ में संविधान लेकर घूमने से कोई ज्ञानी नहीं बन जाता। सांसद शर्मा ने 1977 में कांग्रेस द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा संविधान निर्माता के बारे फैलाये जा रहे भ्रम को भारतीय जनता पार्टी दूर करने का काम करेगी। भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहेब अंबेडकर को हमेशा से सम्मान देने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी ने 30 सितंबर 2015 को भीमराव अंबेडकर के सम्मान में एक टिकट जारी करवाया। और हाल ही में राजधानी भोपाल में नवनिर्मित प्रदेश के सबसे बड़े एलिवेटेड फ्लाई ओवर ब्रिज जो कि गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर के मध्य बना है इसका नाम भी बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर किया है। भारतीय जनता पार्टी लगातार अपने संविधान निर्माता अंबेडकर जी की विचारों को आगे बढ़ती रहेगी और संविधान की कांग्रेसियों से रक्षा करते हुए कभी भी उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। कार्यक्रम के आरंभ में सांसद शर्मा ने बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर उन्हें तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर स्मरण किया और भीमराव अंबेडकर जी अमर रहें के नारे लगवाए। कार्यक्रम में भोपाल जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, गंगाराम घोंसरे, कैलाश मकवाना राकेश कुकरेजा, मांगीलाल बाजपेयी,भगवान दास सहित स्थानीय लोग, मातृशक्ति उपस्थित थे।

सांसद आलोक शर्मा ने वाजपई नगर में संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की विशाल प्रतिमा लगाने के लिए अपनी सांसद निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां पर बाबा साहेब की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी इसी तरह सुदर्शन समाज के भवन की छत डालने के लिए भी पांच लाख रुपये देने की

एनएसयूआई का नर्सिंग काउंसिल पर बड़ा आरोप, एएनएम कोर्स की काउंसलिंग बिना मान्यता के शुरू

भोपाल। भारतीय नर्सिंग काउंसिल के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि एएनएम कोर्स की मान्यता के लिए काउंसिल ने केवल एक दिन के लिए पोर्टल खोला, लेकिन काउंसलिंग पहले ही शुरू कर दी गई, जो छात्रों के हितों के खिलाफ है और इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी को दर्शाता है। रवि परमार ने कहा कि पोस्ट बीएससी और एमएससी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता सूची सार्वजनिक किए बिना ही काउंसलिंग की जा रही है, जो छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन है। इसके अलावा, काउंसलिंग प्रक्रिया में अनियमितताएँ और पारदर्शिता की कमी भी स्पष्ट रूप से सामने आई है।

परमार ने यह भी आरोप लगाया कि नर्सिंग काउंसिल ने बिना पर्याप्त जानकारी और पारदर्शिता के पोस्ट बीएससी और एमएससी नर्सिंग के प्रवेश नियमों में बदलाव किए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पहले ही नियमों में त्रुटियाँ की गई थीं, जिसके कारण एक महीने के भीतर नियमों में बदलाव करना पड़ा। वहीं, जीएनएम कोर्स के लिए नए नियमों में बदलाव न होने पर भी सवाल उठाए गए, जिसमें 12वीं में जीवविज्ञान को अनिवार्य कर दिया गया है, जो नर्सिंग में प्रवेश के लिए कई छात्रों को बाधित कर रहा है।

रवि परमार ने यह भी आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल के अधिकारी भारतीय नर्सिंग काउंसिल के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और मनमाने तरीके से नियमों में बदलाव कर रहे हैं, जिससे छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 24 दिसंबर 2024 को नियमों में बदलाव किया गया था और फिर 23 जनवरी 2025 को दोबारा बदलाव किए गए, जो इस बात का संकेत है कि काउंसिल के अधिकारियों ने बिना अनुभव और सुझावों के नियम बनाए थे। एनएसयूआई की प्रमुख मांगें एएनएम कोर्स की काउंसलिंग को तुरंत रोका जाए, जब तक इसे नर्सिंग काउंसिल से विधिवत मान्यता न मिल जाए। पोस्ट बीएससी और एमएससी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता सूची सार्वजनिक की जाए। नर्सिंग काउंसिल द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। भारतीय नर्सिंग काउंसिल के नियमों को तत्काल लागू किया जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि इन अनियमितताओं को ठीक नहीं किया गया, तो व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

स्कूलों में अभियान चलाकर सुनिश्चित की जाएंगी शौचालय और पेयजल व्यवस्था, राशि स्वीकृत

भोपाल। प्रदेश के समस्त शासकीय हाई स्कूलों और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विभाग अभियान चलाकर सर्वसुविधायुक्त शौचालयों और शुध्द पेयजल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहा है। इस कार्य के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिलों को आवश्यक राशि की स्वीकृति प्रदान की है।

संचालक लोक शिक्षण ने प्रदेश के सभी ज़िला शिक्षा अधिकारियों को पेयजल व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण करने के लिये कहा है शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए शुध्द पेयजल व्यवस्था के लिये प्रत्येक हाई/ हायर सेकेण्डरी स्कूलों में जल शोधन व्यवस्था एवं सुरक्षित जल भण्डार हेतु उचित व्यवस्था तत्काल की जाये। इसके अंतर्गत पेयजल वितरण व्यवस्था हेतु स्टैण्ड पोस्ट, पाइप लाइन का सुदृढ़ीकरण, टंकी की व्यवस्था एवं उचित जल निकास जो बगीचे एवं पेड़ पौधों के सींचने के लिये उपयोग में लाया जाये।

संचालक लोक शिक्षण ने शौचालय मरम्मत एवं अन्य आवश्यक कार्य कराये जाने संबंधी निर्देशों में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को शासकीय शालाओं में उचित शौचालय व्यवस्था अथवा मरम्मत कार्य हेतु शालाओं के शौचालयों में मरम्मत कार्य जैसे- टॉयलेट शीट, यूरीन, पाईप लाईन, सीवेज लाईन, पानी की टंकी बदलना, मोटर, टाइल्स, वॉश बेसिन बदलना, टोंटी, आदि सेनेटरी आईटम्स की उचित व्यवस्था की जाये एवं साथ ही साथ सभी शौचालयों में जलवाहित किये जाये। संचालक लोक शिक्षण ने कहा कि जिन किसी भी विद्यालयों में पूर्व से उपरोक्त संपूर्ण व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं, तो उन्हें पृथक से यह कार्य कराने की आवश्यकता नहीं है। उक्त दोनों कार्यों के लिए ऐसे स्कूल जहाँ विद्यार्थी संख्या 200 से कम है वहां राशि रू. 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र) प्रति स्कूल तथा जहाँ विद्यार्थी संख्या 200 से अधिक है वहाँ राशि रु 50,000/- (पचास हजार रू. मात्र) प्रति विद्यालय के मान से मानक आवंटन (शौचालयों हेतु पृथक से और पेयजल हेतु पृथक से राशि) सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के डी.डी.ओ में उपलब्ध कराया जा रही है।

राष्ट्रीय स्कूल ब्रास बैंड प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की बेटियों ने लहराया परचम

दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में भोपाल की टीम को मिला दूसरा स्थान

भोपाल। दिल्ली में आयोजित हुई राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में पश्चिमी जोन का प्रतिनिधित्व कर रही सेंट जोसफ कॉन्वेन्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल भोपाल की टीम ने बालिका वर्ग में देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर की स्कूल बैंड प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में पहला स्थान सिक्किम की टीम, दूसरा स्थान मध्य प्रदेश की टीम जबकि तीसरा स्थान केरल की टीम ने प्राप्त किया। उत्तराखंड की टीम को प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार अर्जित किया। मध्यप्रदेश की टीम वेस्ट ज़ोन की क्षेत्रीय प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहुंची थी। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में वेस्ट जोन के तहत 6 राज्य मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा एवं केन्द्र शासित प्रदेश दमन एवं दीव और दादर नगर हवेली आते हैं। ब्रास बैंड प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में इन राज्यों (वेस्ट ज़ोन) का प्रतिनिधित्व मध्यप्रदेश की टीम कर रही थी।

26 व 27 जनवरी को होंगे कई विवाह फरवरी में 25 तक बजेंगी शहनाइयां

भोपाल । नए वर्ष के पहले यानि जनवरी में इनदिनों विवाहों का दौर चल राह है। 26 और 27 जनवरी को शहर में कई विवाह होंगे। वहीं फरवरी में 25 तक बड़ी संख्या में विवाह होंगे। शुभ मुहूर्त होने से शहर के मैरिज गार्डन, शादी हाल, होटल फुल हो चुके हैं।

वहीं शहर के चौक, न्यू मार्केट सहित सभी छोटे-बड़े बाजारों में विवाहों के मुहूर्त होने से रौनक बनी हुई है। मकर संक्रांति के बाद 16 जनवरी से शुरू हुए विवाह सहित शुभ कार्य निरंतर हो रहे हैं। मां चामुंडा दरबार के पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि शुक्र ग्रह 19 मार्च से 23 मार्च तक चार दिन तक अस्त, गुरु ग्रह 12 जून से नौ जुलाई तक 27 दिन के लिए अस्त रहेंगे।

शुक्र ग्रह इस साल 24 दिन अस्त रहेंगे- इसके अलावा भी शुक्र ग्रह इस साल में दोबारा अस्त होंगे जो 12 दिसंबर से 31 दिसंबर तक 24 दिन तक अस्त रहेंगे, इस दौरान शुभ काम सहित मांगलिक कार्य वर्जित रहेगा। बीते वर्ष 62 दिन ही विवाह मुहूर्त थे, जबकि इस साल 76 दिन से भी अधिक मुहूर्त हैं। इसके लिए जिनके घरों में विवाह हैं, उन्होंने डीजे, बैंड, घोड़ा और बग्घी, फोटोग्राफर, हलवाई की बुकिंग करा ली है।

ये विवाह के लिए शुभ मुहूर्त

26 और 27 जनवरी

फरवरी – दो,तीन, छह, सात, 12, 13, 14, 15, 16, 18, 19, 21, 23 और 25 फरवरी।

मार्च – एक, दो, छह,सात, 12 मार्च।

अप्रैल – 14, 16, 18, 19, 20, 21, 25, 29 और 30 अप्रैल।

मई – एक, पांच, छह, आठ, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 22, 23, 24, 27 और 28 मई।

जून – दो, चार, पांच, सात और आठ जून।

नवंबर – दो,तीन, छह,आठ, 12, 13, 16, 17, 18, 21, 22, 23, 25 और 30 नवंबर।

दिसंबर – चार, पांच और छह।

ज्ञान निकेतन हायर सेकंडरी स्कूल परिसर गणतंत्र दिवस पर छात्रों की रंगारंग प्रस्तुति

गणतंत्र दिवस - तिरंगा हमें सामाजिक समरसता व राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधता है इसके सम्मान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है - प्राचार्य अशोक तोमर

भोपाल। ज्ञान निकेतन हायर सेकंडरी स्कूल, कजलीखेड़ा कोलार रोड़ भोपाल में बच्चों की रंगारंग प्रस्तुति कर सभी का मन मुग्ध किया एवं प्राचार्य अशोक तोमर ने 26 जनवरी 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रातः 8:30 बजे स्कूल में ध्वजारोहण कर सभी छात्र छात्राओं प्रोत्साहन देते हुए कहा आज, जब हम अपने गणतंत्र का जश्न मना रहे हैं, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने देश को और भी बेहतर बनाएंगे, हर एक भारतीय का जीवन खुशहाल और समृद्ध बनाएंगे. अंत में, मैं आप सभी से यह कहूँगा कि हम सभी को अपने कर्तव्यों को समझते हुए देश की सेवा करनी चाहिए, ताकि हम अपने देश को सशक्त बना सकें।

उनका कहना है कि गणतंत्र दिवस का दिन परेड और राष्ट्रीय गान गाने का नहीं है, बल्कि यह वह पावन क्षण है, जब हमने 76 साल पहले अपने गणतंत्र का स्वरूप गढ़ा था। इस गौरवमयी मूर्ति को तराशने का हथियार था हमारा संविधान, वो दिव्य दस्तावेज जिसने हमें न्याय, समानता और बंधुत्व का वादा किया था। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हमें स्वतंत्रता और लोकतंत्र का उपहार मिला है। आइए, हम सब मिलकर प्रण करें कि हम इस देश को और महान बनाने की कोशिश करेंगे। जय हिंद !

सम्पादकीय

जय गणतंत्र...

जन का गणतंत्र, मन की बात और अधिनायक की जय...! आज ही के दिन उन्नीस सौ पचास में हमारा अपना संविधान लागू हुआ, सो आज हम छिहत्तरवां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। गणतंत्र दिवस की अनंत शुभकामनाएं। हमारे गणतंत्र की एक नहीं, अनेक विशेषताएं हैं और इसीलिए हम अनेकता में एकता के साथ अक्षुण्ण भारत के अक्षुण्ण गणतंत्र की जय करते हैं। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। स्वतंत्रता से लेकर आज तक हमारे गणतंत्र में भी परिवर्तन हुआ है और संविधान में भी लगातार संशोधन और परिवर्तन होता आ रहा है।

आज जब हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, तब देश में संविधान पर बहस छिड़ी हुई है। संविधान की पुस्तक राजनीतिक युद्ध का विषय बन गई है। संविधान में संशोधन बनाम परिवर्तन की बात चल रही है। संविधान की धज्जियां उड़ाने के आरोप लग रहे हैं। संविधान जैसे पूरे देश का नहीं, किसी दल विशेष का हो गया है और सब अपने-अपने संविधान की बात करते दिख रहे हैं।

देखा जाए तो जब गणतंत्र की मजबूती की बात होना चाहिए, तब हम संविधान को लेकर लड़ रहे हैं। तू-तू, मैं-मैं कर रहे हैं। संविधान न हुआ जंग का मैदान हो गया है। राजनीतिक जंग का मैदान। निजी निहित स्वार्थों के लिए सचेष्ट ये संकीर्ण समूह

परस्पर कीचड़ उछालते हुए सत्ता के गलियारों में आधिपत्य के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं। लगता है कि जो जनतंत्र में शासन 'जनता द्वारा जनता के लिए' है, वो अब 'दल द्वारा दल के लिए' हो गया है। जनतंत्र की उदार दृष्टि दलीय महत्वाकांक्षाओं की दलदल में धँसकर जनकल्याण से दूर जाती दिख रही है। राजनीतिक दल जनकल्याण के नाम पर प्रचारित योजनाओं के माध्यम से अपनी भावी चुनावी विजय की रूपरेखा रच रहे हैं, वोट-बैंक तैयार कर रहे हैं और राष्ट्रीय-हितों के नाम पर दलीय-हितों के साधन में अपनी ऊर्जा नियोजित कर रहे हैं।

भारतीय जनतंत्र की साढ़े सात दशक की लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है। उसके सम्यक् संचालन के लिए अनुभवी, ईमानदार और ऐसे न्यायप्रिय निर्भीक नेतृत्व की आवश्यकता है जो समस्त संकीर्णताओं और दलीयस्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण समाज के लिए उचित निर्णय ले और जिसे सब स्वीकार करें। परंतु वर्तमान की विडम्बना यह है कि आज जनतांत्रिक व्यवस्था का आधार दलगत राजनीति है और दलगत राजनीति की कोख से जनमे नेतृत्व का सर्वस्वीकृत होना प्राय: असंभव है।

तथापि अब यह नितान्त आवश्यक है कि हम वोट-बैंक और दलीय-स्वार्थों की ओछी कूटनीतियाँ छोड़कर 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की सच्ची राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों अन्यथा 'सर्वोदय', 'अन्त्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे नारे सार्थक न हो सकेंगे और भारतीय समाज में बढ़ती विषमताएं, विसंगतियाँ असंतोष और आक्रोश को उग्रकर लोकतन्त्र का मार्ग कंटकाकीर्ण कर देंगीं। समय रहते हमें और हमारे नेतृत्व को यह कटु यथार्थ समझ लेना चाहिए कि नेतृत्व की शुचिता पर ही जनतंत्र का निर्वाह संभव है।

क्या ऐसा हो पायेगा? जब समानता की बात कही जाती है, तो हमें लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता की खाई दिखाई देने लगती है। जब सामाजिक समानता और समरसता की बात आती है, तो बढ़ते जातिगत और सांप्रदायिक विवाद और इसे उकसाने वाली राजनीतिक मंशाएं दिखने लगती हैं। जातिगत और सांप्रदायिक सद्भाव केवल किताबी शब्द बनकर रह जाएगा, आज यह साफ दिखाई देने लगा है। पर, यह तो हमारे संविधान का मूल है। यह तो हमारे गणतंत्र की मूल भावना है।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के नारे के बीच एक वर्ग को मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर वोट हड़पने की होड़ दिखाई देती है। समान अवसर की आड़ में वोट बैंक बनाने की प्रतिद्वंद्विता साफ दिखती है। अर्जुन को जिस तरह से मछली की आंख दिखाई देती थी, आज राजनीतिक दलों को सत्ता की कुर्सी दिखाई दे रही है। गणतंत्र की मूल भावना संविधान की पुस्तक में कैद होकर कहीं सिसक रही है। जो संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं, शायद वो भी इसे केवल राजनीतिक मुद्दा ही बना पा रहे हैं।

आगे और क्या परिवर्तन होते हैं..? यह तो हमें देखना ही होगा। इसके लिए प्रतीक्षा तो करनी ही होगी। सब कुछ ठीक है, नहीं कह सकते, परंतु आशाओं पर आसमान टिका है, सो हमें आस नहीं छोड़ना कि सब कुछ ठीक हो जायेगा। हमारा गणतंत्र मजबूत होगा। मूल भावनओं का स्वरूप कितना भी बदले, अंतत: सकारात्मक उम्मीदों का तिरंगा फिर फहरायेगा। जय भारत, जय गणतंत्र।

गणतंत्र की मुंडेर पर बैठे हुए महाजनों से रामराज्य की बात!

-जयराम शुक्ल

क्या आपको ऐसा नहीं लगता कि रोशन रंगीनियों के जमाने में अपने देश की तस्वीर कुछ ज्यादा ही श्वेत-श्याम बनकर उभर रही है? भारत के आँगन में ताड़ के पेड़ की तरह एक इण्डिया तेजी से पनप रहा है और वही इण्डिया अपने गणतंत्र की मुंडेर पर बैठकर भारत को हांकने की कोशिश कर रहा है।

भारत के खाद-पानी से पनपे इस इण्डिया की उज्जवल व चमकदार छवि देख-देख कर हम निहाल हैं और दुनिया हमें उभरती हुई महाशक्ति की उपाधि से उसी तरह अलंकृत कर रही है जैसे कभी कम्पनी बहादुर अंग्रेज लोग हममें से ही किसी को रायबहादुर, दीवान साहब की उपाधियां बांटते थे। आजाद होने और गणतंत्र का जामा ओढ़ने के साठवें-सत्तरवें दशक में हम ऐसे विरोधाभासी मुकाम पर आकर खड़े हो गए हैं, जहां तथ्यों को स्वीकार या अस्वीकार करना भी असमंजस भरा है।

भारत की व्यथा का बखान करना शुरू करें तो इण्डिया सिरे से खारिज कर देता है, इण्डिया की चमक-दमक और कामयाबी की बात करें तो भारत के तन-बदन में आग लगने लगती है। एक ही आंगन में दो पाले हो गए हैं। हालात ऐसे बन रहे हैं कि तटस्थ रह पाना मुमकिन नहीं, यदि पूरे पराक्रम के बाद भी इण्डिया के पाले में नहीं जा पाए तो भारत के पाले में बने रहना नियति है।

क्या आपको इस बात की चिंता है कि यह यशस्वी देश के इस तरह के आभासी बंटवारे का भविष्य क्या होगा? इस बंटवारे के पीछे जो ताकते हैं क्या आपने उन्हें व उनके गुप्त मसौदे को जानने-पहचानने की कोशिश की है? परिवर्तन प्रकृति का नियम है पर हर परिवर्तन प्रगतिशील नहीं होता।

इस सत्तर दशक में परिवर्तन-दर-परिवर्तन हुए। कह सकते हैं कि जिस देश में सुई तक नहीं बनती थी आज वहां जहाज बनती है। क्षमता और संख्याबल में हमारी फौज की धाक है। कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुएं का कार्बन बताता है कि औद्योगिक प्रगति के मामले में भी हम अगली कतार पर बैठे हैं। फोर्ब्स की सूची के धनिकों में हमारे उद्योगपति तेजी से स्थान बनाते जा रहे हैं। वॉलीवुड की चमक के सामने हॉलीवुड की रोशनी मंदी पड़ती जा रही है।

साल-दो साल में एक विश्व सुन्दरी हमारे देश की होती है जो हमारे रहन-सहन, जीवन स्तर के

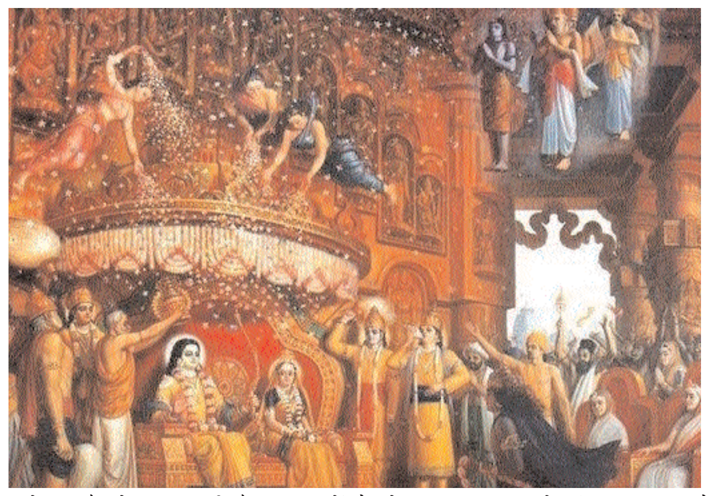

ग्लोबल पैमाने तय करती है। महानगरों के सेज व मॉलों की श्रृंखला,नगरों, कस्बों तक पहुंच रही है। चमचमाते एक्सप्रेस हाइवे से लम्बी कारों की कानवाय गुजरती हैं। माल लदे बड़े-बड़े ट्राले हमारी उत्पादकता का ऐलान करते हुए फर्राटे भरते हैं। हमारे बच्चे अंग्रेजों से ज्यादा अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं। युवाओं के लिए पब डिस्कोथेक क्या-क्या नहीं है। शाइनिंग इण्डिया की चमत्कृत करती इस तस्वीर को लेकर जब भी हम मुदित होने की चेष्टा करते हैं तभी जबड़े भींचे और मुट्ठियां ताने भारत सामने आ जाता है।

वो भारत जो अम्बानी के 4 हजार करोड़ के भव्य महल वाले शहर मुम्बई में अखबार दसा कर फुटपाथ पर सोता है। वो भारत जिसके 84 करोड़ लोगों के पास एक दिन में खर्च करने को 20 रुपये भी नहीं। वो भारत जिसका अन्नदाता किसान कर्ज व भूमि अधिग्रहण से त्रस्त आकर जीते जी चिताएं सजा कर आत्महत्याएं करता है। वो भारत जहां हर एक मिनट में एक आदमी भूख से मर जाता है।

वो भारत जहां के नौजवान उच्च शिक्षा की डिग्री लेकर बेकारी व हताशा में सड़क की अराजक भीड़ हिस्सा बन जाता है। गणतंत्र की मुंडेर पर बैठे रिपब्लिक इण्डिया के महाजनों को क्या भारत की जमीनी हकीकत पता है? क्या वे जानना चाहेंगे, कि आहत भारत जो कि उनका भी जन्मदाता है उसकी क्या ख्वाहिश है.. क्या गुजारिश है।

समय के संकेतों को समझिए..। कोई भी राष्ट्र धर्म की रीढ़ पर ही खड़ा होता है, पर कोई भी धर्म राष्ट्र से बड़ा नहीं होता। कुरुक्षेत्र का महाभारत राष्ट्रधर्म की संस्थापना के लिए हुआ। इसलिए आज यह समझने की जरूरत है कि धर्म राष्ट्र के परस्पर पूरक है न कि अलग और न ही उससे बड़ा। उसके नाम पर हम सही और गलत को नहीं ढँक सकते। राष्ट्र अपने अंतिम नागरिक के कुशलक्षेम की भावना और समत्व की आत्मा में बसता है।

राष्ट्र का यह अंतिम व्यक्ति ही उसका गण है। क्या इस गण की भूमिका को आज वोट के अतिरिक्त कुछ समझा गया..? गणतंत्र के महाजनों को यह सोचना होगा। आभासी संवृद्धि रेत के महल सी ढह जाती है..चाहे वह सांस्कृतिक हो या आर्थिक। गणतंत्र दिवस हमें यथार्थ के धरातल पर खड़ा होकर यह सब स्मरण कराने का अवसर है। यह प्रति वर्ष आता है। ईश्वर करे अनंतकाल तक आता रहे। लेकिन राष्ट्र का गणतंत्र सही मायनों में तभी अर्थवान बनेगा जब हम तुलसी की परिकल्पनाओं के रामराज्य की भावना को अपने तंत्र में समाहित करेंगे..।

आज हम राम और रामराज्य की बातों का जाप करते नहीं थकते। यह जानने की ज्यादा कोशिश नहीं करते की राम और उनके राज्य का आदर्श क्या था..? तुलसीदास ने इसके लिए 'राम-राज्य' अथवा कल्याण-राज्य का आदर्श प्रस्तुत किया है। यह कल्याणकारी राज्य धर्म का राज्य होता है, न्याय का राज्य होता है, कर्त्तव्य-पालन का राज्य होता है। वह सत्ता का नहीं, सेवा का राज्य होता है।

इस कल्याणकारी राज्य की झोली में है - क्षमा, समानता, सत्य, त्याग, बैर का अभाव, बलिदान एवं प्रजा का सर्वांगीण उत्कर्ष। इस कल्याणकारी राज्य की कल्पना की परिधि में व्यक्ति, परिवार, समाज, राज्य और विश्व का कल्याण समाविष्ट है। इसके केन्द्र में है धर्म जिसे हम वर्तमान के संदर्भ में 'कर्त्तव्य पालन' के स्वरूप में भी ले सकते हैं (धर्म वह सनातन संस्कार है जो मनुष्य को मर्यादित करता है, धर्म का कोई पर्यायवाची शब्द ही नहीं)।

जहाँ धर्म होगा, वहाँ सत्य होगा, शिवत्व होगा, सौंदर्य होगा, सुख होगा, शान्ति होगी, कल्याण होगा। रामराज्य को लेकर रामचरित मानस के उत्तरकांड में गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं -

रामराज्य बैठे त्रैलोका,
हरषित भये गए सब सोका।
बयरु न कर काहू सन कोई,
राम प्रताप विषमता खोई।।
दैहिक दैविक भौतिक तापा।
रामराज नहीं काहुहिं व्यापा।
सब नर करहि परस्पर प्रीति।
चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति-नीती।

अर्थात् रघुनाथ जी को जिस समय राज्य-तिलक दिया, उस समय त्रिलोक आनंदित हुए और सारे शोक मिट गये। कोई किसी से बैर नहीं रखता और राम के प्रभाव से सब की कुटिलता जाती रही। चारों वर्ण, चारों आश्रम - सब अपने वैदिक धर्म के अनुसार चलते हैं। सुख प्राप्त करते हैं, किसी को भय, शोक और रोग नहीं हैं दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्त होकर सब लोग परस्पर स्नेह करने लगे और अपने कुल धर्मानुसार जीवन जीने लगे।

आदर्श शासक अथवा सरकार वही है, जो प्रजा को सुख प्रदान करे। इसलिए तुलसीदासजी इस बात पर जोर देते हैं कि .....

जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी।
सो नृप अवसि नरक अधिकारी।।

राम हमारे राष्ट्र की आत्मा हैं लेकिन सिर्फ राम का नाम जपने से रामराज्य आने वाला नही, उनके आदर्श उनके आचरण अंगीकार करने होंगे। कोई तिलस्म रचकर नागरिकों को भरम डालने से काम नहीं चलने वाला..।

राम के राज्य का वह धोबी अयोध्या का अंतिम असंतुष्ट नागरिक था उसके शंकास्पद आरोप मात्र से राम ने स्वयं के परिवार पर इतना कठोर निर्णय लिया ऐसा दृष्टान्त विश्व में अन्यत्र नहीं मिलता। यह किसी भी कल्याणकारी राज्य की व्यवस्था की पराकाष्ठा है। क्या हम इस व्यवस्था के सहस्त्रांश भी है..? इस गणतंत्र दिवस पर सोचिएगा..।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी।

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

कर्तव्य पथ पर दिखा विकसित भारत के संकल्प का नजारा

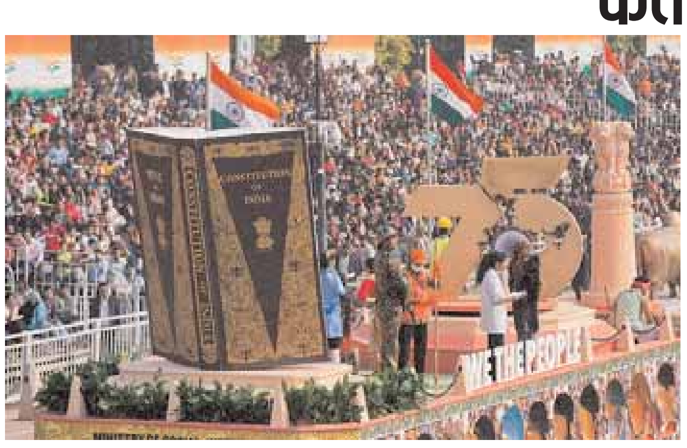

देश गणतंत्र दिवस की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस दौरान कर्तव्य पथ पर परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने तिरंगा फहराया और फिर राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित वहां मौजूद सभी गणमान्य लोगों ने झंडे को सलामी दी। इस दौरान 21 तोपों की सलामी भी दी गई।

राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिए जाने के बाद कर्तव्य पथ पर परेड की शुरुआत हुई। भारतीय वायुसेना की 129 हेलीकॉप्टर यूनिट के एमआई-17 हेलिकॉप्टरों ने कर्तव्य पथ पर उपस्थित अतिथियों और दर्शकों पर पुष्प वर्षा की। परेड में इंडोनेशिया का 352 सदस्यीय मार्चिंग और बैंड दस्ता भी भाग लिया। औपचारिक परेड की शुरुआत 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले वाद्ययंत्रों पर 'सारे जहां से अच्छा' की धुन बजाकर की गई।

दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार परेड कमांडर थे, जबकि परेड सेकेंड-इन-कमान, दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) मेजर जनरल सुमित मेहता थे। परमवीर चक्र और अशोक चक्र सहित सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के विजेता भी परेड का हिस्सा थे। इनमें परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेन्द्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर संजय कुमार (सेवानिवृत्त) और अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जस राम सिंह (सेवानिवृत्त) शामिल थे।

सामाजिक न्याय मंत्रालय की झांकी के जरिए मनाया गया संविधान का जश्न

गणतंत्र दिवस परेड में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की झांकी में भारत के संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ इसे देश की विरासत, विकास और भविष्य के लिए मार्गदर्शन की आधारशिला के रूप में चित्रित किया गया। झांकी में न्याय, समानता और स्वतंत्रता के सार को दर्शाया गया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे संविधान भारत को एक एकजुट, प्रगतिशील और समावेशी समाज के रूप में आकार दे रहा है।

मध्यप्रदेश की झांकी 'चीता द प्राइड ऑफ इंडिया' की थीम पर

गणतंत्र दिवस परेड मध्यप्रदेश की झांकी 'चीता द प्राइड ऑफ इंडिया' की थीम पर केंद्रित रही। झांकी में मध्यप्रदेश में चीतों की ऐतिहासिक वापसी की झलक दिखी। इस झांकी में चीते की वापसी की सफलता को खूबसूरत तरीके से दिखाया गया है। झांकी के सामने के हिस्से में दो चीते और उनके छोटे बच्चे नजर आ रहे हैं। बीच में कूनो नदी बह रही है, जो हरे-भरे जंगलों से घिरी हुई है।

उत्तर प्रदेश की झांकी की थीम महाकुंभ : उत्तर प्रदेश की झांकी की थीम महाकुंभ पर आधारित रही। 76वें गणतंत्र दिवस की परेड में उत्तर प्रदेश की %स्वर्णिम भारत- विरासत और विकास% की झांकी ने कर्त्तव्य पथ पर मार्च किया। इस झांकी में महाकुंभ 2025 की झलक दिखाई गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गणतंत्र दिवस - तिरंगा हमें सामाजिक समरसता व राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधता है इसके सम्मान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है - योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग साधकों एवं गुरुजनों द्वारा द्वारा 26 जनवरी 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रातः 8 बजे सामूहिक योग साधना करके सभी देशवासियों को जीवन में खुशहाली समृद्धि एवं स्वास्थ्य प्राप्त हो इसके लिए प्रार्थना की गई। देश भक्ति गीत संगीत के साथ पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्रमुख रुप से योगाचार्य महेश अग्रवाल, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य रमेश संगमकर सुनील सोलंकी, शरद नामदेव, आदित्य सिंह, श्रद्धा गणपते, आशा गजभिये, श्वेता केंदुलकर, सविता असवानी, सुनीता जोशी, सारंगा नगरारे, परवीन किदवई, हँसा सिंह, उषा सोनी, नर्मदा चडोकर, लता बंजारी, बच्चे सानवी एवं धानी असवानी उपस्थित रहें।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति के सभी पर्व योग की शिक्षा के साथ अनुशासन,स्वच्छता,आत्मीयता, संकल्पों को गति, दिनचर्या में परिवर्तन एवं शुभ भाव में रहने का संदेश देते है। योग करने से आत्मविश्वास बढ़ता है एवं जीवन में अनुशासन व्यक्ति को परिवार समाज एवं देश के लिए सेवा के लिए तैयार करता है।

योग गुरू अग्रवाल ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि व्यक्ति अपना जीवन योगमय

तभी बना सकता है जब उसके प्रत्येक कार्य में पवित्रता और सात्त्विकता हो। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस देश के ऐसे त्योहार हैं जिनके माध्यम से देश में एकता और अखंडता दिखती है। हर दिल और हर घर में देश के तिरंगे के प्रति सम्मान दिखता है। जब तिरंगे के प्रति यह सम्मान आत्मसात होकर देश की सेवा में बदल जाता है तो वही सच्चा गणतंत्र दिवस होता है। तिरंगा हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। इसी तिरंगे के लिए वीर सेनानियों ने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है। इसके केसरिया, सफेद और हरा रंग क्रमश- उत्सर्ग, शांति और समृद्धि के प्रतीक हैं। इसके मान-सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। तीन रंग का तिरंगा हम सभी को सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के एक सूत्र में बांधता है। हम सभी संकल्प लें कि वैश्विक मंच पर भारत की आवाज सदैव प्रखरता के साथ गुंजायमान हो, तथा हर नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए आत्मनिर्भर भारत के संकल्पों को साकार करें। तिरंगा हमारी पहचान है, और सम्मान भी हमें कर्तव्यबोध के साथ राष्ट्र, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना चाहिए। देश के नव-निर्माण के लिये आज ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जिनने प्रलोभनों को ठुकरा दिया हो। ऐसे ही व्यक्तियों ने जीवन में योग का शुभारम्भ किया है। उनके हाथों में राष्ट्र अवश्य सुरक्षित है। वर्तमान हिंसात्मक प्रवृत्तियों में लिप्त राष्ट्र के कर्णाधार यहाँ इतना समझ लें कि जो अब भयंकर हिंसा कर सकते हैं, वे ही हाथ रक्षा भी कर सकते हैं। देश, शान्ति, समृद्धि और सुख का भार जिनके सिर पर है, वे यदि अपने को योगमय बना दें तो जीवन की सफलता शत-प्रतिशत निश्चित है। योग का अर्थ क्या है? राजयोग, ज्ञानयोग, हठयोग? नहीं, %योगः कर्मसु कौशलम्%। जो भी कार्य हमारे हाथ में हो, उसे कुशलतापूर्वक पूरा करना, अर्थात् जीवन के जिस योग में भी हो, उसे कुशलतापूर्वक पूरा करना। उस कर्तव्य का पूर्ण पालन हम तभी कर सकते हैं जब हम जान लें कि प्रत्येक व्यक्ति का कार्य दो भागों में बँटा रहता है। एक स्वजाति के प्रति और दूसरा समाज के प्रति।

शान से लहराया तिरंगा जगह जगह हुआ ध्वजारोहण

ओबेदुल्लागंज - गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नगर औबेदुल्लागंज में जगह-जगह हुआ ध्वजारोहण नगर परिषद में अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे द्वारा किया गया ध्वजारोहण नगर में समस्त स्कूलों द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी, इसके उपरांत नगर परिषद द्वारा आयोजित किये गए गौरव दिवस कार्यक्रम में स्कूली छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र नागर, पूर्व मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सोनाली शर्मा सुरजीत सिंह, नमिता बगिस अग्रवाल, सुजीत यादव, प्रमोद सेन, सुनील सेरिया, भारती नरेश शेट्टी, सना अमीर ममनून, नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी सभी स्कूल के बच्चे स्कूल टीचर आदि लोग उपस्थित हुए

प्रभारी मंत्री वर्मा मुख्य ने मुख्य समारोह में किया झंडावंदन

सिवनी- सिवनी जिले के गणतंत्र दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में प्रदेश शासन के राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा ने मुख्य समारोह दौरान जिला मुख्यालय के स्टेडियम ग्राउंड में झंडा वंदन कर परेट के निरीक्षण उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया गया।

इस अवसर पर परेट द्वारा मार्च पास्ट का प्रदर्शन करने के साथ ही स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों के माध्यम से विभागीय योजनाओं का प्रदर्शन किया गया साथ ही साथ कार्यक्रम के अंत में उल?लेखनीय कार्य करने वाले शासकीय अधिकारी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को पारितोषिक का वितरण किया गया। इसी तरह 26 जनवरी की संध्या में लाडली लक्ष्मी पथ भैरोगंज में भारत पर्व का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बुंदेली लोकगीत कालाकार हेमराज राजगढ के 07 कलाकारों तथा बैगा एवं फाल लोक नृत्य कलाकार शिव कुमार धुर्वे डिंडोरी 15 कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुती दी जायेगी। इसके अतिरिक्त स्थानीय कालाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

विधायक ललिता यादव ने 1077 हितग्राहियों को दी 20-20 हजार की सामग्री

छतरपुर। उद्यानिकी एवं खाद्य संस्करण विभाग छतरपुर द्वारा आयोजित एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय कार्यशाला में 1077 हितग्राहियों को सब्जी लगाने के लिए 20-20 हजार रुपए की सामग्री छतरपुर विधाायक श्रीमती ललिता यादव ने वितरित की। कार्यशाला में किसान भाईयों को संबोंधित करते हुए छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत सूक्ष्म इकाइया स्थापित करने के लिए सरकार अधिकतम 10 लाख तक का अनुदान देती है। आप लोग भी इकाइया स्थापित करे और योजना का लाभ ले। कार्यशाला के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने छतरपुर विधायक का जोरदार स्वागत किया। सब्जी लगाने के लिए 20-20 हजार रुपए की सामग्री पाकर हितग्राही महिला, पुरूष बहुत प्रसन्न हुए।

सिग्निफाई ने महाकुंभ, में लाखों श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक यात्रा का मार्ग रोशन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भव्य स्तर के आध्यात्मिक आयोजन, महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज में अब तक 9 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुँच चुके हैं। इस साल इस विशाल धार्मिक समागम में 45 करोड़ लोगों के हिस्सा लेने का अनुमान है। महाकुंभ 2025 के इस आध्यात्मिक सफर में लाइटिंग के क्षेत्र में विश्व की प्रमुख कंपनी, सिग्निफाई अपने इनोवेटिव और सस्टेनेबल लाइटिंग समाधानों द्वारा श्रद्धालुओं का आध्यात्मिक अनुभव बेहतर बना रही है। अपने इस अभियान के अंतर्गत कंपनी ने विमान मंडपम, शास्त्री ब्रिज को रोशन किया है, तथा कुंभ मेला ग्राउंड्स में सोलर लाइटें लगाई हैं। सिग्निफाई ने कुंभ मेला स्थल पर पवित्र संरचना, विमान मंडपम में फिलिप्स यूनि डायनामिक कलर-चेंजिंग लीनियर ग्रेज़र्स और फ्लड लाइट्स के साथ एक लीनियर लाइटिंग डिज़ाइन का निर्माण किया है, जिसने इसकी वास्तुकला को निखारकर चारों ओर जीवंत और रंगबिरंगी रोशनी फैला दी है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने अपनी 8वीं वर्षगांठ मनाई,

मुंबई, एजेंसी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड गर्व के साथ अपनी 8वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो इसके विकास और वित्तीय समावेशन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 2017 में अपनी शुरुआत से लेकर, बैंक ने भारत भर में 1043 बैंकिंग आउटलेट्स के नेटवर्क के रूप में अपना विस्तार किया है। इस अद्वितीय यात्रा की सराहना करते हुए, बैंक अपनी वर्षगांठ के अवसर पर कई नई बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन कर रहा है, जो इसके परिवर्तनकारी बैंकिंग सेवाओं को और अधिक समुदायों तक पहुंचाएगा। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, हमारी 8वीं वर्षगांठ हमारे निरंतर विकास और सेवा उत्कृष्टता की खोज में एक गौरवपूर्ण क्षण है।

ब्राजील के वेदांत गुरू, कुवैत की योगा टीचर सहित इन हस्तियों को पद्म पुरस्कार, छत्तीसगढ़ से पंडीराम मंडावी को अवार्ड

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी, को पद्म पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा कर दी है। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री अवार्ड।

यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में महान काम करने वालों को दिया जाता है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुवैत की योग साधिका शेखा एजे अल सबाह, उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपत्ति ह्यूग और कोलीन गैंटजर को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

नागालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चानमूर्ति. मध्य प्रदेश के सामाजिक उद्यमी सैली होलकर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली और अन्य पद्म पुरस्कार विजेताओं की लिस्ट में शामिल हैं।विलास डांगरे, वेंकप्पा अंबाजी सुगातेकर, हरिमन शर्मा, जुमदे योमगाम गामलिन, नरेन गुरुंग और जगदीश जोशीला, बतूल बेगम, पंडि राम मंडावी, निर्मला देवी अन्य मशहूर हस्तियां हैं जिन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा।

एल हैंगथिंग (नागालैंड)
- हरिमन शर्मा (हिमाचल प्रदेश)
- जुमदे योमगम गैमलिन (अरुणाचल प्रदेश)
- जोयनाचरण बाथरी (असम)
- नरेन गुरुंग (सिक्किम)
- विलास डांगरे (महाराष्ट्र)
- शेखा ए जे अल सबा (कुवैत)
- निर्मला देवी (बिहार)
- भीम सिंह भावेश (बिहार)
- राधा बहिन भट्ट (उत्तराखंड)
- सुरेश सोनी (गुजरात)
- पंडीराम मंडावी (छत्तीसगढ़)
- जोनास मैसेट (ब्राजील)
- जगदीश जोशीला (मध्य प्रदेश)
- हरविंदर सिंह (हरियाणा)
- भेरू सिंह चौहान (मध्य प्रदेश)
- वेंकप्पा अम्बाजी सुगतेकर (कर्नाटक)
- पी दत्चानमूर्ति (पुडुचेरी)
- लीबिया लोबो सरदेसाई (गोवा)
- गोकुल चंद्र दास (पश्चिम बंगाल)
- ह्यूग गैंटज़र (उत्तराखंड)
- कोलीन गैंटज़र (उत्तराखंड)
- डॉ. नीरजा भाटला (दिल्ली)

राजनगर में 12 लाख की लागत से बनेगा साहू समाज का सांस्कृतिक भवन

विधायक अरविंद पटैरिया ने किया भूमि-पूजन, दिए दिशा-निर्देश

खजुराहो। राजनगर विधानसभा क्षेत्र को विकसित बनाने के लिए प्रयासरत विधायक अरविंद पटैरिया द्वारा रानगर के साहू समाज को बड़ी सौगात दी गई है। दरअसल विधायक श्री पटैरिया द्वारा राजनगर में साहू समाज के लिए विधायक निधि से सांस्कृतिक भवन बनवा रहे हैं, जिसका शुक्रवार को भूमि-पूजन किया गया और निर्माण एजेंस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शुक्रवार की दोपहर में विधायक अरविंद पटैरिया ने राजनगर के वार्ड नंबर 1 में मां कर्माबाई सांस्कृतिक भवन के चिन्हित स्थल पर पहुंचकर भवन की आधारशिला रखी। उक्त भवन की लागत 12 लाख है, जिसका भूमि-पूजन करने के बाद विधायक श्री पटैरिया ने निर्माण एजेंसी को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में न तो किसी तरह की लापरवाही की जाए और न ही अन्य प्रकार की शिकायतें सामने आएं। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष राजनगर जीतू वर्मा, पार्षद रोबी जैन, नवनीत, सोनू अनुरागी, नईम, जेपी रैकवार, भरत साहू, बालकिशन साहू, रज्जू साहू, नित्तू साहू, रामलाल साहू, रिंकू साहू, गणमान्य नागरिक गणेश पाठक, चतुरेश यादव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि

मणिकांत कुशवाहा, मण्डल अध्यक्ष कमलेश पटेल सहित बड़ी संख्या में साहू समाज के लोग मौजूद रहे।

ग्राम खजवा में शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे विधायकः विधायक अरविंद पटैरिया को सूचना मिली थी कि उनकी विधानसभा के ग्राम खजवा निवासी रोहित पटेल के पिता का आकस्मिक निधन हो गया है, जिसके बाद शुक्रवार को विधायक ने ग्राम खजवा पहुंचकर शोकाकुल रोहित पटेल सहित परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की और दुःख की इस घड़ी में उनके साथ होने की बात कही। इस दौरान विधायक ने गांव के अन्य लोगों से भी उनका हाल तथा समस्यायें जानीं।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने पेश किया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे प्रतिष्ठित फंड हाउसों में से एक एलआईसी म्यूचुअल फंड 'एलआईसी एमएफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड' पेश कर रहा है. यह एक ओपन-एंडेड योजना है, जो इक्विटी, डेट और सोने में निवेश करेगी. इसका नया फंड ऑफर (एनएफओ) 24 जनवरी 2025 को खुलेगा और 07 फरवरी 2025 को बंद होगा. योजना का निवेश उद्देश्य इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों, डेट और मनी मार्केट के साधनों तथा सोने के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट में निवेश कर पूंजी में दीर्घकालिक वृद्धि करना है.

योजना का बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई का 65 फीसदी, निफ्टी कंपोजिट डेट इंडेक्स का 25 फीसदी और घरेलू सोने की कीमत का 10 फीसदी होगा. इस योजना के फंड मैनेजर निखिल रुंगटा, सुमित भटनागर और प्रतीक श्रॉफ होंगे. योजना 18 फरवरी 2025 को लगातार बिक्री और फिर से खरीद के लिए दोबारा खुलेगी.

एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. झा ने एनएफओ के बारे में कहा, ''मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड आजकल बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि ये एक ही जगह पर निवेश के जोखिम को कम करते हैं और परिसंपत्तियों का बेहतर डायवर्सिफिकेशन सुनिश्चित करते हैं. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, 2024 में हाइब्रिड म्यूचुअल फंडों द्वारा प्रबंधित परिसंपत्ति (एयूएम) में 27 फीसदी की वृद्धि हुई।

प्रवेग एटोल का लक्षद्वीप ने बंगारम द्वीप पर संचालन की की घोषणा

लक्षद्वीप, एजेंसी। प्रावेग लिमिटेड, भारत की प्रमुख ईको-रिस्पॉन्सिबल लग्जरी रिसॉर्ट्स कंपनी, 18 जनवरी, 2025 से बंगारम द्वीप, लक्षद्वीप पर अपने लग्जरी रिसॉर्ट संचालन की शुरुआत करने के लिए उत्साहित है। अपनी अप्रसिद्ध प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध, बंगारम द्वीप एक शांत और विशेष स्थल प्रदान करता है, जहाँ अतिथि द्वीप की शांति का आनंद लेते हुए आधुनिक लग्जरी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं। लक्षद्वीप में पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, जिसमें पिछले साल के मुकाबले पर्यटकों की संख्या दोगुनी हो गई है। डॉ. विष्णुकुमार पटेल, अध्यक्ष, प्रावेग लिमिटेड ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम बंगारम द्वीप पर प्रावेग रिसॉर्ट्स का आधिकारिक रूप से शुभारंभ करने के लिए रोमांचित हैं, यह एक ऐसा गंतव्य है जो हर मेहमान को असाधारण अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। हमारे इस रिसॉर्ट का दृष्टिकोण यह है कि हम केवल ठहरने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसा स्वर्ग प्रदान करें जहां मेहमान प्रकृति, साहसिकता और विश्राम में खो सकें।

नाईसस फाइनेंस ने जीसीसी में विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। नाईसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड जो शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस के साथ इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट में अग्रणी है, ने दुबई के दो प्रमुख ग्रेड ए रेसिडेंशियल प्रॉपर्टीज़ - जुमेराह विलेज सर्कल और अल फुरजान में अधिग्रहण की घोषणा की है। ये अधिग्रहण नाईसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी, जो दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर में रजिस्टर्ड है, के माध्यम से संभव हुआ। यह फंड के विकास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है। ये स्ट्रैटेजिक निवेश निसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी के तहत प्रबंधन के तहत संपत्तियों में यूएसडी 55 मिलियन का योगदान करते हैं, जो इसके मजबूत विकास को दर्शाते हैं और इसे क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करते हैं।

15 वर्षों से चले आ रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत हुआ 25वां देहदान

देहदान होकर अमर हो गई कमला देवी साहू

सांध्य प्रकाश, विदिशा।

काछी मोहल्ला विदिशा में रहने वाली 56 वर्ष की श्रीमति कमला देवी साहू का बीती दोपहर शनिवार में निधन हो गया। जिनके मृत शरीर का दान स्थानीय अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में किया गया।

देहदान और नेत्रदान की जागृति के लिए अंतिम सेवक विकास द्वारा चलाये जा रहे मिशन से जुड़कर कमला देवी साहू एवं उनके पति गुरुदत्त साहू ने मृत्यु उपरांत देहदान का संकल्प पत्र भरा था जिसमें जिक्र था कि मेरी मृत्यु के उपरांत पार्थिव शरीर को किसी भी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया जावे तो उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए अंतिम सेवक विकास पचौरी के सहयोग से परिवारजनों ने कमला देवी साहू के पार्थिव शरीर को अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया अब यह पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज के छात्रों को शोध के लिए काम आवेगा।

अंतिम सेवक विकास पचौरी ने बताया कि बीते लगभग 15 वर्षों से चले आ रहे नेत्रदान, देहदान, अंगदान, रक्तदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत 25 जनवरी को यह 25वां देहदान था। मेडिकल कॉलेज विदिशा में कमला देवी साहू के देहदान के समय उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देकर इनकी मोक्ष की कामना करने शोक सभा हुई जिसमें देनी कमला देवी साहू के पति गुरु प्रसाद साहू, पुत्र जितेंद्र साहू, रवि साहू, नीलेश साहू, अंतिम सेवक विकास पचौरी, डीन मनीष निगम, एनाटॉमी विभाग के डॉ. नैना वाकोड़े, डॉ. सुजाता नेताम, डॉ. ओम प्रकाश गौर, सपोर्टिंग स्टाफ राकेश परिहार, रमेश कुमार के अलावा उनके सहित परिवारजन एवं अनेक व्यक्ति मौजूद थे।

महिला अफसर से केबिन में की अभद्रता, पुलिस ने किया मामला कायम, इधर कलेक्टर ने किया निलंबित

सीहोर। जनपद पंचायत सीहोर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के साथ पंचायत समन्वय अधिकारी ने उनके केबिन में जाकर गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। सीईओ नमिता बघेल ने पंचायत समन्वयक अधिकारी के खिलाफ मंडी थाने में प्रकरण दर्ज कराया है। बताया जाता है कि अपने कार्य सेक्टर में बदलाव किए जाने से पंचायत समन्वय अधिकारी अशोक सिंह सीईओ नमिता बघेल से नाराज था और इसी बात को लेकर उसने उनसे अभद्र व्यवहार किया। इधर मामले की गंभीरता को लेकर कलेक्टर प्रवीण सिंह ने पंचायत संबंध में अधिकारी को निलंबित कर दिया है।

दो दिन पहले मंगलवार को सीहोर जनपद सीईओ नमिता बघेल जब अपने कक्ष में काम कर रही थीं तभी वहां पर पंचायत समन्वय अधिकारी अशोक सिंह पहुंचे। वह अपने क्लस्टर कार्य विभाजन के आदेश को लेकर काफी आक्रोशित थे। उन्होंने सीईओ बघेल को जान से मारने की धमकी देते हुए आदेश निरस्त करने को कहा। सीईओ बघेल ने उनसे कक्ष से बाहर जाने को कहा तो वह और बिफर गए और उसने गालियां दीं और धमकी देकर वहां से चले गए। इस घटना के बाद सीईओ ने मंडी थाने में पंचायत समन्वय अधिकारी अशोक सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। साथ ही अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रतिवेदन भेजा है। इधर मामले की गंभीरता को लेकर कलेक्टर प्रवीण सिंह ने पंचायत समन्वयक अधिकारी अशोक मीणा को निलंबित कर दिया है। ज्ञात रहे कि पंचायत समन्वय अधिकारी को पूर्व में भी बुदनी में निलंबित किया गया था।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रंजीत खरे
शासकीय ठेकेदार
राधिका कंस्ट्रक्शन कंपनी- सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- बांकी जिला सिवनी
संत कुमार राजपूत
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- बांकी, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
मोरिस नाथ
उपसंचालक
किसान कल्याण एवं कृषि विभाग
सिवनी, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- बीसावाड़ी जिला सिवनी
राकेश कुमार राय
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- बीसावाड़ी, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- ढुटेरा जिला सिवनी
सुनील कुमार वर्मा
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- ढुटेरा, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- कुड़ारी जिला सिवनी
सरदारी यादव
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- कुड़ारी, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- खैरापलारी जिला सिवनी
गणेश सिंगौर
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- खैरापलारी, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- धूमा जिला सिवनी
नंद किशोर यादव — प्रबंधक
राजकुमार शिवहरे — प्रशासक
समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- धूमा, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- केदारपुर जिला सिवनी
डी.पी. ग्रियाम — प्रबंधक
श्री बनवाल — प्रशासक
समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- केदारपुर, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
देवेश बाथम
एवं समस्त स्टाफ
क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी- सिवनी
जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सेवा सहकारी समिति मर्यादित- बंडोल जिला सिवनी
संदीप कुमार साहू
प्रबंधक
प्रशासक एवं समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्या.- बंडोल, जिला-सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
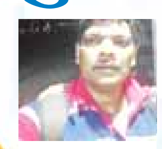
अनुराग रावल
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
लोचन सिंह मर्सकोले
अध्यक्ष
जनपद पंचायत कुरई, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

योगेन्द्र सिंह बाबा
विधायक
विधानसभा क्षेत्र लखनादौन,
जिला- सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
एस के. कटरे — प्रबंधक
एस.डी. तंतुवाय — प्रशासक
समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्यादित- गंगेरूआ (धपारा), जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आर.पी. चौरसिया — प्रबंधक
एस.डी. तंतुवाय — प्रशासक
समस्त स्टाफ सेवा सहकारी समिति मर्यादित- आमागढ़, जिला सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अभिजीत पचोरी
कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास सिवनी,
जिला- सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सत्येन्द्र मरकाम
सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग सिवनी
जिला- सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अभिषेक ज्वेलर्स
राजेश सोनी
प्रोपराईटर
बुधवारी बाजार नैनपुर

कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद छपारा, जिला सिवनी (म.प्र.)
13 भगतसिंह बार्ड, शंकर मढ़िया के पास, छपारा, जिला-सिवनी (म.प्र.)
Email:-cmochhapara@mpurban.gov.in

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर नगर परिषद छपारा के समस्त नगरवासियों का हार्दिक अभिनंदन करती है।
1. समय पर नगर परिषद के समस्त करों का भुगतान करें।
2. बापू का घर -घर पहुँचे संदेश, स्वच्छता और सुंदर हो नगर हमारा।
3. स्वच्छता में लगायेंगें हम पूरा दम तभी बनेगा मेरा नगर प्रदेश नम्बर वन। हम सब ने यह ठाना है, छपारा को स्वच्छ शहर बनाना है।
4. मूल प्राणियों के बारे में सोचें, पॉलिथीन का उपयोग छोड़े।
5. पानी का अपव्यय न करें।
6. जन्म - मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन अवश्य करायें।
7. आयुष्मान (निरामय) कार्ड परिवार के सभी सदस्यों के अनिवार्य रूप से बनवायें।
श्रीमति निःश्रा सुरेश पटेल (अध्यक्ष)
शिवकांत सिंह (उपाध्यक्ष)
श्याम गोपान भारती (मुख्य नपा अधिकारी)
एवं समस्त पार्षदगण नगर परिषद छपारा, जिला सिवनी।
सभापति- नगर परिषद छपारा श्रीमति शिवनीता सिंह राजपूत, धर्मेन्द्र जैन, श्रीमति हेमलता सोनी श्रीमति निर्मला ठकरिया, विशाल सिंह ठाकुर
पार्षदाण- नगर परिषद छपारा - श्रीमति अहिल्या उइके, दिनेश उइके, राकेश कुमार भारद्वाज, श्रीमति शशि नागेश, दक्षेपक कोष्टा, रामेश्वर बंजारा, श्रीमति प्रीति सिंह सिसोदिया, श्रीमति सोनल श्रीवात्री

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जिला सिवनी
गणतंत्र दिवस की समस्त किसान भाईयों सहित जिलेवासियों को
हार्दिक... बधाई... शुभकामनाएं

- किसान क्रेडिट कार्ड योजना
- अल्पकालीन कृषि ऋण 0 प्रतिशत ब्याज दर पर
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वर्ष 2016
- ब्याज अनुदान योजना
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली का संचालन,
- जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक द्वारा स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की गई है।
- मत्स्य पालक सदस्यों को 0 प्रतिशत ब्याज पर समितियों द्वारा कृषक क्रेडिट कार्ड दिये जा रहे है।
- समर्थन मूल्य पर गेंहू, धान उपार्जन का कार्य समस्त साख सहकारी समितियों द्वारा किया जा रहा है।
- व्यापारियों को कैश क्रेडिट लिमिट भी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक द्वारा व्यवसायियों द्वारा किया जा रहा है।
- बैंक द्वारा अकृषित ऋण जैसे- वाहन ऋण, आवास, ऋण, व्यक्तिगत उपभोग ऋण, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना भी संचालित की गई है।
- बैंक द्वारा अमानतदारो के लिये लॉकर योजना संचालित है।
- सहकारी लोक अदालत से कृषकों को राहत
- बैंक द्वारा ग्राहकों को कोर बैंकिंग सुविधा

'बिना सहकार, नहीं उद्धार'
के. के. सोनी
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला सहकारी बैंक मर्यादित, सिवनी

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

नैनपुर के पार्षद
नितिन ठाकुर व मोहित झारिया
जेट टु जेड कम्प्यूटर एंड एजुकेशन नैनपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना

राजेश चतुर्वेदी
अध्यक्ष (स्पीकर)
नगर पालिक निगम
सतना म.प्र.
गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त नगर वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

योगेश कुमार ताम्रकार
महापौर
नगर पालिक निगम
सतना म.प्र.
सम्माननीय नागरिकों से विनम्र अपील
* नगर के सर्वांगीण विकास में सहयोग प्रदान करें।
* शौचालय विहीन मकानों में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण का लाभ उठायें, खुले में शौच न करें।
* निधर्धारित स्थल में ही कचरा डालें, सड़क, नाली या सार्वजनिक स्थल में कचरा न फेंके, नगर निगम द्वारा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हेतु लगाये गए रिक्शों में डाला
* सभी व्यवसायी अपने प्रतिष्ठान के बाहर डस्टबिन रखें एवं कचरा डालने हेतु सका उपयोग करें।
* अपने करों एवं शुल्कों का समयावधि में भुगतान करके नगर विकास में अपनी हभागिता प्रदान करें।
* पॉलीथीन का उपयोग न करें। कपड़े, जूट, कागज पैकेट का उपयोग करें।
* पानी का दुरुपयोग न करें, वर्षा जल का अधिकाधिक संग्रहण करें।
* शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का पाजता अनुसार लाभ लें।
* शहर को हरा-भरा बनाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें।
* शहर के विभिन्न स्थानों, मागों, चौराहों एवं पाकों में किये गए वृक्ष एवं पौधरोपणो सुरक्षा देने में सहयोग करें।
* निर्धार्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खाड़ा कर, यातायात को सुगम बनाये रखने में सहयोग करें।
* पशुओं को आवारा न छोड़ें।
* हर घर तिरंगा अभियान में सम्मिलित होकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सिवनी (म.प्र.)
गणतंत्र दिवस की नगर वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें
26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
1. जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न बहावें।
2. जन्म मृत्यु एवं विवाह का पंजीयन कराना ना भूलें।
3. स्वच्छ सर्वेक्षण - 2025 में नगर को नम्बर 1 बनाये जाने हेतु स्वच्छता बनाये रखे। सड़क पर कूड़ा-करकट ना डालें, कचरा गाड़ी में या निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालें।
4. करों का भुगतान समय पर करें।
5. प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न करें, न करने देवें।
(शफीक खान) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, सिवनी
(श्रीमति डाली अमित डागोर) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद, सिवनी
(सुश्री दिशा डहेरिया) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद, सिवनी
समस्त पार्षद गण- श्रीमति रामकुमारी बरमैया, श्रीमति नेहा धीरज पृथ्यानी, श्रीमति मालती बाबा पाण्डे, श्रीमति राजश्री संदेश बास्सा, श्री ज्ञानचंद सनोडिया, श्री संजय भलावी, कु. साक्षी संजय डागोरिया, श्रीमति अनुसुईया अनिल पटवा, श्री राजिक अकील, श्री सुहेल पाशा, श्रीमति प्रभा दुबे मुन्नी जिज्जी, श्री जोएब जकी अनवर खान, श्री विजय गोलू पंडित, श्री महमूद भाई, श्रीमति आकांक्षा शीबू सेंगर, श्री राजेश (राजू) यादव, श्री राहुल बघेल, श्रीमति गोविन्दी बाई, श्रीमति जीतू तरूण श्रीवास, श्री चंदनसिंह खताबिया, कु. इशरत नब्बू भाई, श्री रविशंकर (गुड्डा) भांगरे एवं समस्त अधिकारी / कर्मचारी, नगर पालिका परिषद, सिवनी

गणतंत्र दिव पर देशभक्ति के रंग में रंगी राजधानी, जगह-जगह ध्वजारोहण के साथ हुए कार्यक्रम

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के साथ वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में किया ध्वजारोहण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने रविवार को गणतंत्र दिवस पर प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों एवं कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं एवं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज का गणतंत्र दिवस हमारे लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने का काम किया है। आज के दिन ही हमारा संविधान लागू हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 11 से 25 जनवरी तक संविधान गौरव अभियान चलाया।

प्रधानमंत्री लगातार बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर भारत को सशक्त और सक्षम बनाने का प्रयास कर रहे हैं। बाबा साहब के मूल विचारों को जमीन पर उतारने का काम अगर किसी ने किया है, तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की केंद्र सरकार ने किया है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व हमें लोकतांत्रिक मूल्यों और देश के संविधान के प्रति अपने दायित्वों, कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। हमें संविधान को और मजबूत बनाते हुए अपने कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों को लेकर आगे बढ़ना है। आज गणतंत्र दिवस पर हम अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे,ताकि हमारा देश मजबूती के साथ आगे बढ़ता रहे।

इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद आलोक शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, वरिष्ठ नेता माखन सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, महापौर श्रीमती मालती राय, प्रदेश मंत्री पंकज जोशी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, तपन भौमिक, विनोद गोटिया, संभाग प्रभारी विजय दुबे, राघवेन्द्र गौतम, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी, सुनेहा बग्गा एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोपाल। कांग्रेस कार्यालय में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसरपर कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाल परेड पर निकली झांकियां...

76वें गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने फहराया तिरंगा

76वें गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने राष्ट्र ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के बाद सलामी ली तथा बल का निरीक्षण किया। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने निवास कार्यालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सचिवालय तथा निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और सुरक्षा स्टॉफ उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने विंध्य कोठी में भी झंडा वंदन किया।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24-25 फरवरी 2025, भोपाल
76 वें
गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
संवैधानिक मूल्यों के साथ
मध्यप्रदेश का चौतरफा विकास
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी (GYAN) समाज के इन चार स्तंभों के सशक्तिकरण की मज़बूत बुनियाद पर मध्यप्रदेश छुएगा विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयां
गरीब कल्याण मिशन के माध्यम से प्रदेश के गरीब और वंचितों को मिलेंगे आगे बढ़ने के हर संभव अवसर। वर्ष 2028 तक प्रदेश बनेगा गरीबी मुक्त।
स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोज़गार और नेतृत्व क्षमता विकास से सुनिश्चित करेगा युवाओं का सशक्तिकरण।
देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करेगा।
किसान कल्याण मिशन के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय वृद्धि के साथ ही कृषि को अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए समर्पित है।
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D11167-24